संस्कृत में चिकित्सा विज्ञान

डॉ0 मीरा सिंह

प्राचीन काल से ही भारतवर्ष अपनी ज्ञान–गरिमा में प्रत्येक क्षेत्र का 'गुरू' रहा है, चिकित्सा–विज्ञान भी इसका अपवाद नहीं है। भारत का आयुर्वेद चिकित्सा–शास्त्र विष्कारों व शास्त्रों को पुष्पत किया। चरक संहिता, सुश्रुत संहिता एवं वाग्भट्ट के ग्रन्थ आदि कुछ महत्वपूर्ण ग्रंथ जो आगे चलकर विश्व–प्रसिद्ध आयुर्वेद से ही प्रभावित हैं, इस प्रकार हमारा संस्कृत वाड़्मय मात्र भाषा–शास्त्रीय क्षेत्र में ही नहीं वरन् उपादेयता, नवीनता एवं विषय की दृष्टि से भी परिपक्व एवं सम्पूर्ण है।

चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से संस्कृत भाषा अत्यंत समृद्ध है। संस्कृत केवल एक भाषा ही नहीं अपितु ज्ञान एवं अनुसंधान की विविध शाखाओं में हमारी और भौतिक ज्ञान की निधि है। यह मानवता के सर्वाधिक विकसित मस्तिष्क का प्रदर्शन है। संस्कृत एवं तत्सम्बद्ध ग्रन्थों में निहित ज्ञान वैविध्यमय है जो चिकित्सा विज्ञान के रूप में भी जन–जीवन को अभिसिंचित कर रहा है।